भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **तारांकित प्रश्न सं. 23***
वाणिज्य विभाग

दिनांक 4 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

चाय अनुसंधान संघ

***23. श्री बैजयंत पांडा:**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में देश में कोई चाय अनुसंधान संघ खोले हैं;

(ख) यदि हां, तो इन संघों के नाम और स्थान सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) देश में वर्तमान में कितने चाय कारखाने कार्यशील हैं; और

(घ) क्या सरकार देश में चाय पर्यटन के बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

****

"चाय अनुसंधान संघ" के संबंध में दिनांक 04 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 23 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) वर्तमान में, चाय बोर्ड द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त 2 संघ हैं, जो चाय उद्योग की अनुसंधान संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये निम्नवत हैं:

(i) चाय अनुसंधान संघ (टीआरए), जिसका जोरहाट, असम में अनुसंधान संस्थान है।

(ii) चाय अनुसंधान फाउंडेशन, यूनाइटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ साउथर्न इंडिया (यूपीएएसआई-टीआरएफ), जिसका वलपराई, तमिलनाडु में अनुसंधान संस्थान है।

टीआरए और यूपीएएसआई-टीआरएफ दोनों के अपने सलाहकार केंद्र चाय उत्पादक राज्यों के विभिन्न बेल्ट में स्थित हैं और वे अनुसंधान एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं की देखरेख कर रहे हैं, छोटे चाय उत्पादकों सहित बागान मालिकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं और चाय उद्योग को जानकारी का प्रसार कर रहे हैं। हाल में नए संघ आरंभ नहीं हुए हैं।

(ग) वर्तमान में, देश में कुल 1963 चाय कारखाने कार्यशील हैं।

(घ) भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के अधीन चाय बोर्ड चाय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इसके अलावा, भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से संपूर्ण भारत में विभिन्न गंतव्य स्थलों को प्रचारित करता है। जारी क्रियाकलापों के भाग के रूप में, चाय बागानों सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का प्रचार किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की राज्य सरकारें भी अपनी नीतियों/योजनाओं के माध्यम से चाय पर्यटन को बढ़ावा देती हैं।

****